University in News on 16 May 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पहली बार राजधानी से बाहर भी होगी लविवि की प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2021-22 की यूजी, पीजी, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया गति पकड़ रही है। विश्वविद्यालय इस साल नए सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन राजधानी के अलावा चार उन जिलों में भी करेगा, जहां के कॉलेज इस बार विवि से संबद्ध हुए हैं। इसकी तेजी से तैयारी भी शुरू हो गई है। हाल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित प्रवेश सेल की ऑनलाइन मीटिंग में जानकारी दी गई कि अभी तक सभी पाठ्यक्रमों में लगभग 31 हजार प्रवेश आवेदन आ चुके है। बैठक में निर्णय लिया गया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से इस बार संबद्ध हुए 04 नए जिलों हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर में भी प्रवेश परीक्षा केंद्र बनाएगा, जिससे इन जिलों तथा आसपास के अन्य जिलों के अभ्यर्थियों को लखनऊ आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बैठक में कुलपति प्रो. राय ने कहा कि 04 नए जिलों के जुड़े हुए महाविद्यालयों में यदि कोई ऐसा पाठ्यक्रम चल रहा है जो लखनऊ विश्वविद्यालय में नहीं है तो जल्द से जल्द महाविद्यालयों से इनकी सूचना लेकर विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में अंगीकार कर लिया जाए ताकि प्रवेश में कोई परेशानी न हो। केंद्रीकृत प्रवेश हेतु एक महाविद्यालय-विश्वविद्यालय समन्वय समिति का गठन किया जाएगा।

यूजी-पीजी प्रवेश आवेदन 31 तक : लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रेगुलर व पार्ट टाइम पीएचडी के आवेदन 15 मई को समाप्त हो रहे हैं जबकि यूजी, पीजी कोर्सों के लिए प्रवेश आवेदन 31 मई तक होने हैं। वहीं, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन 15 जून तक होंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

■ लविवि : डांस के धमाल के साथ फेस्टटास्टिक का समापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम फेस्टटास्टिक का शनिवार को डांस के धमाल के साथ समापन हुआ। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत पर आयोजन को यादगार बनाया। ऑनलाइन आयोजन में कविता, ओपन माइक, पोस्टर मेकिंग, मोनोलॉग एक्ट, डांस, कैरेक्टर और कार्टून क्विज, गेमिंग नाइट और बहुत कुछ शामिल रहा। इसमें 50 से अधिक कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

NBT PAGE 3

एलयू में यूजी-पीजी के लिए 31,000 आवेदन, पिछले साल से 25% ज्यादा

4 जिलों के नए संबद्ध कॉलेजों में भी बनेंगे परीक्षा केंद्र

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक के दाखिलों के लिए सभी पाठ्यक्रमों में लगभग 31000 आवेदन आ चुके हैं। विवि प्रशासन का दावा है कि पिछले साल मई में आए आवेदनों की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक हैं।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अगुआई में प्रवेश सेल के सदस्यों और अन्य पदाधिकारियों ने प्रवेश सत्र 2021-22 से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन मीटिंग की। सहमति बनी कि लविवि से संबद्ध हुए हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के कॉलेज में भी प्रवेश परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे, ताकि इन जिलों के अभ्यर्थियों को लखनऊ न आना पड़े।

नए कॉलेजों से बढ़ेगा सामंजस्य

लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि इन चार जिलों के महाविद्यालयों के साथ अलग-अलग समय पर बातचीत की जाएगी। इन्हें विवि की कार्यप्रणाली, प्रवेश परीक्षा प्रणाली से अवगत करवाया जाएगा।

प्रवेश के लिए बनेगी समन्वय समिति

तय हुआ कि केंद्रीकृत प्रवेश के लिए एक महाविद्यालय-विश्वविद्यालय समन्वय समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें कि विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा और विश्वविद्यालय के प्रवेश सेल के सदस्य व अन्य पदाधिकारियों को इसमें शामिल किए जाएगा। इससे भविष्य में महाविद्यालयों को होने वाली परेशानी को कमिटी के जरिये हल किया जा सकेगा।

HINDUSTAN PAGE 6

फैसला: लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा से ही होंगे दाखिले

लखनऊ | संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में नए शैक्षिक सत्र 2021-22 के दाखिले प्रवेश परीक्षा के जरिए होंगे। यह फैसला कुलपति आलोक राय की अध्यक्षता में एडमिशन सेल के सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में लिया गया। पिछले साल तक मेरिट से दाखिले होते थे।

कुलपति ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय से जुड़े चार नए जिलें लखीमपुर, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई में भी परीक्षा केंद्र बनाएं जिससे उन जिलों एवं उनके आसपास के विद्यार्थियों को लखनऊ न आना पड़े। साथ ही कुलपति ने यह बताया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए लगभग 31000 आवेदन आ चुके हैं।

विश्वविद्यालय से जुड़े नए जिलों के महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय

की कार्यप्रणाली, प्रवेश परीक्षा प्रणाली इत्यादि से अवगत कराया जाएगा। लखीमपुर, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई के महाविद्यालयों में यदि कोई ऐसा पाठ्यक्रम चल रहा है, जो, लखनऊ विश्वविद्यालय में नहीं है, तो ऐसे विषयों को भी प्रवेश परीक्षा में शामिल किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार प्रवेश में नियामक संस्थाओं जैसे, बीसीआई, एनसीटी इत्यादि के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित होने पर ही प्रवेश मान्य होगा।

फेस्टास्टिक का समापन

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फेस्टास्टिक ऑनलाइन कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। इस कार्यक्रम में कविता, ओपन माइक, पोस्टर मेकिंग, मोनोलॉग एक्ट, डांस, कैरेक्टर, कार्टून क्विज, गेमिंग नाइट और बहुत कुछ शामिल था। 50 से अधिक कॉलेजों से कुल 2000 के ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सकारात्मक मानसिकता और विकास के साथ महामारी से आगे बढ़ने के सुझावों के साथ प्रतिभागियों, आयोजन टीम और सभी की सराहना की। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह उत्सव न केवल सांस्कृतिक और साहित्यिक पहल है, बल्कि इस बात का प्रमाण है एलयू किस तरह से इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को रोज के जीवन में समावेश कर रहा है।

DAINIK JAGRAN PAGE 8

'फेस्टेस्टिक उत्सव' में दिखा प्रतिभागियों का हुनर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आनलाइन फेस्टेस्टिक उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक कालेजों के दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सकारात्मक मानसिकता और विकास के साथ महामारी से आगे बढ़ने के सुझावों के साथ प्रतिभागियों और आयोजन टीम की सराहना की। प्रो. निशि पांडे ने कहा कि लविवि के छात्र महामारी के इस दौर में सकारात्मक कार्यक्रम का आयोजन कर प्रदेशभर के लिए कर्मठता के उदाहरण के रूप में खड़े होंगे। उत्सव के पहले दिन सुबह गायन प्रतियोगिता और शाम को जैमिंग इवनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दूसरे दिन सुबह कविता और शाम को ओपन माइक कार्यक्रम हुआ। तीसरे दिन शाम को पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी और क्विज नाइट आयोजित किया गया। चौथे दिन मोनोलॉग एक्ट और कहानी लेखन कार्यक्रम हुए।

i-NEXT PAGE 4

'फेस्टेस्टिक उत्सव' में दिखा प्रतिभागियों का शानदार हुनर

50 से अधिक कालेजों के दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया था हिस्सा

LUCKNOW(15 May): लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आनलाइन फेस्टेस्टिक उत्सव का शनिवार को समापन हो गया. कार्यक्रम में 50 से अधिक कालेजों के दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था.लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सकारात्मक मानसिकता और विकास के साथ महामारी से आगे बढ़ने के सुझावों के साथ प्रतिभागियों और आयोजन टीम की सराहना की. प्रो. निशि पांडे ने कहा कि लविवि के छात्र महामारी के इस दौर में सकारात्मक कार्यक्रम का आयोजन कर प्रदेशभर के लिए कर्मठता के उदाहरण के रूप में खड़े होंगे.

यह हुई प्रतियोगिताएं

उत्सव के पहले दिन सुबह गायन प्रतियोगिता और शाम को जैमिंग इवनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ. दूसरे दिन सुबह कविता और शाम को ओपन माइक कार्यक्रम हुआ. तीसरे दिन शाम को पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी और क्विज नाइट आयोजित किया गया. चौथे दिन मोनोलॉग एक्ट और कहानी लेखन कार्यक्रम हुए. मोनोलॉग एक्ट में दीपक गुप्ता को प्रथम, साक्षी मूलचंदानी और विदुषी को दूसरा और बरखा बाली को तीसरा स्थान मिला.

AMRIT VICHAR PAGE 3

आयुष एप से लोगों में लाएंगे जागरूकता

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लोगों की इम्युनिटी बढ़ाने व उन्हें स्वस्थ रखने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की ओर से विभिन्न कार्यक्रम चल रहे हैं। फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि आयुष कवच एप के लिए भी फैकल्टी ने इम्युनिटी एवं स्वास्थ्य के विकास के लिए योग से संबंधित कार्यक्रम बनाया है। विशेषज्ञों की टीम रोज सुबह आठ से नौ बजे के बीच फैकल्टी के फेसबुक पेज से माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण दे रही है। कोई भी व्यक्ति फैकल्टी के फेसबुक लिंक facultyofyamlu पर जुड़ सकता है। लाइव कार्यक्रम में न शामिल हो पाएं तो फैकल्टी के यूट्यूब चैनल Faculty of Yoga and alternative Medicine पर जाकर इसे देख सकते हैं।

लविवि में बीते वर्ष से 25 फीसदी अधिक आए आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2021-22 की स्नातक, परास्नातक, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया गति पकड़ रही है। हाल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई प्रवेश सेल की ऑनलाइन मीटिंग में जानकारी दी गई कि अभी तक सभी पाठ्यक्रमों में लगभग 31 हजार प्रवेश आवेदन आ चुके है। जो बीते वर्ष में आए आवेदनों की तुलना में लगभग 25 फीसदी अधिक हैं जबकि पीएचडी के लिए प्रवेश आवेदन 15 मई तक और स्नातक, परास्नातक कोर्सों के लिए 31 मई तक होंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से इस बार विवि से संबद्ध हुए चार नए जिलों हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली व सीतापुर में भी प्रवेश परीक्षा केंद्र बनाएगा।

TOI PAGE 3

LU to hold UG test in other cities too

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University will conduct entrance test for admission to its undergraduate courses in various cities so that candidates do not have to travel to Lucknow amid coronavirus pandemic.

Over a decade ago, the university had conducted entrance test for post-graduation course in business administration in different states.

This year, besides Lucknow, entrance examination will be held in Hardoi, Sitapur, Rae Bareli and Lakhimpur Kheri which come under the jurisdiction of Lucknow University.

"Having examination centres in five districts will be of great help to candidates of these cities but also from nearby areas from where aspirants have applied for courses," LU spokesman Durgesh Srivastava said, adding that the number of candidates was expected to be more than last year.

"So far, 31,000 candidates have applied which is 25% more than the application received in the duration last year," he added. "There are 15 days left to apply for courses and the number is expected to go up further. More centres will not only make it easier for candidates to appear for the examination but will also help in maintaining social distancing at examination centres," he added.